राज्य सभा

तारांकित प्रश्नख संख्या*62

29 अप्रैल, 2015 को उत्तणर के लिए

भारतीय इस्पालत प्राधिकरण लिमिटेड का उत्पादन लक्ष्यरप्राप्तग करने की कार्यनीति

***62. श्री धीरज प्रसाद साहू:**

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या भारतीय इस्पा त प्राधिकरण लिमिटेड के लिए सरकार द्वारा निर्धारित उत्पानदन लक्ष्यों को प्राप्ता करने के लिए सरकार ने किसी दीर्घकालिक कार्यनीति को अंतिम रूप प्रदान किया है, यदि हां, तो तत्संकबंधी ब्यौीरा क्या है
(ख) क्या भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड के पास उक्तअ लक्ष्योंष को प्राप्तक करने के लिए पर्याप्त) निधियां हैं
(ग) यदि हां, तो इस संबंध में अब तक प्रयुक्तल की गई कुल धनराशि और उपलब्धियों सहित तत्संपबंधी ब्यौारा क्या है और
(घ) यदि नहीं, तो क्या भारतीय इस्पाकत प्राधिकरण लिमिटेड और सरकारी क्षेत्र के अन्यर इस्पात संयंत्रों की विस्तायर योजना के लिए किस प्रकार से धनराशि जुटाई जायेगी?

उत्तर

इस्पातत और खान मंत्री **(श्री नरेन्द्र सिंह तोमर)**

(क) से (घ) : एक विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

*****

“भारतीय इस्पातत प्राधिकरण लिमिटेड का उत्पा दन लक्ष्य प्राप्ति करने की कार्यनीति” के बारे में श्री धीरज प्रसाद साहू, संसद सदस्य द्वारा राज्यन सभा में दिनांक 29 अप्रैल, 2015 के लिए पूछे गए तारांकित प्रश्न संख्या *62 के भाग (क) से (घ) के उत्तकर में उल्लिखित विवरण

(क) से (घ) : जी, नहीं। सरकार स्टीसल अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के लिए दीर्घकालिक कार्यनीति योजना को अंतिम रूप नहीं देती है। तथापि , सेल ने “विजन 2025” का एक प्रारूप तैयार किया है , जिसमें वर्ष 2025 तक 50 मिलियन टन हॉट मेटल के उत्पा दन लक्ष्या की परिकल्पेना की गई है। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए अनुमानित निवेश लगभग 1,50,000 करोड़ रुपए होगा। निवेश प्रस्ताकवों को अभी सुनिश्चित किया जाना है। वित्त पोषण की व्यकवस्थार इक्विटी और ऋण के एक संयोजन के जरिएकी जाएगी। सेल और अन्यत इस्पाणत पीएसयू अपने विस्तारर और आधुनिकीकरण कार्यक्रमों का क्रियान्वीयन वाणिज्यिक सोच-विचारों के आधार पर अपने आंतरिक स्रोतों और बाजार से उधारियों को मिलाकर करते हैं।

****